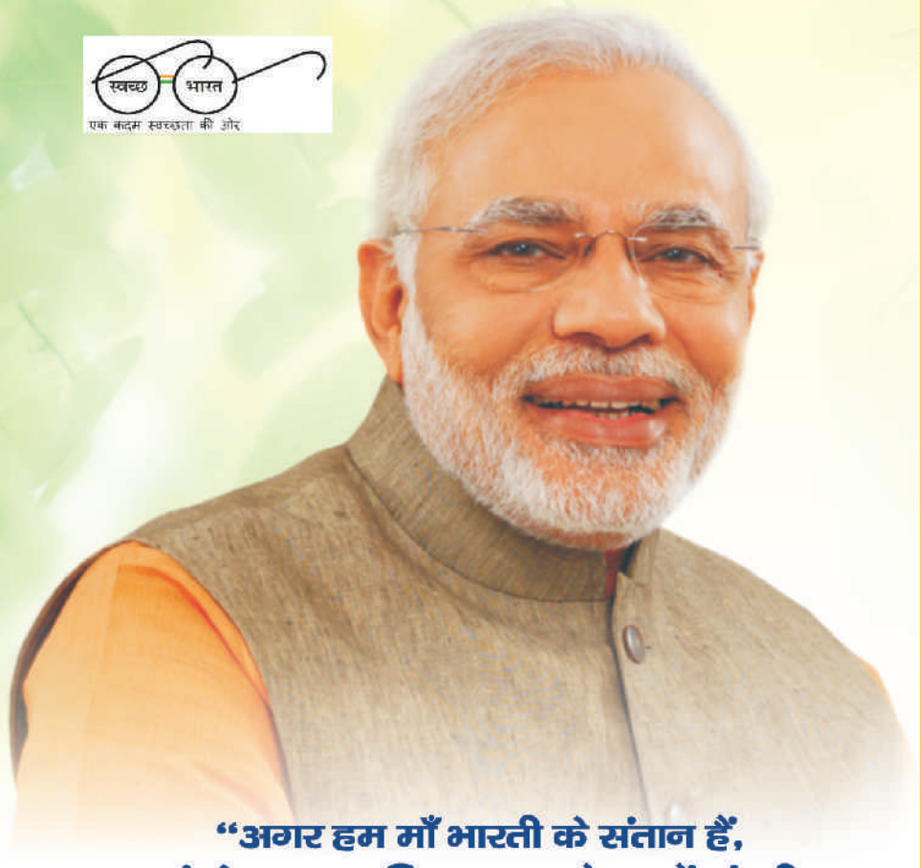
दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 106 सितम्बर-अक्टूबर, 2015 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



शहीद साथियों को शत्-शत् नमन

दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत अभियान' का अनुसरण किया और उसके प्रवाह को आगे बढ़ाया।



"अगर हम माँ भारती के संतान हैं, तो ये हमारा दायित्व बनता है, न मैं गंदगी करूँगा और न मैं गंदगी करने दूँगा"

नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
2 अक्टूबर, 2014



2 अक्टूबर, 2014 को थाना मंदिर मार्ग से 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी।

स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 145वीं जयन्ती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिनाँक 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया था। यह हमारा सौभाग्य है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने थाना मंदिर मार्ग परिसर में स्वच्छ भारत अभियान को सर्वप्रथम अमली ज़ामा पहनाया। वो चंद क्षण, जो प्रधानमंत्री जी ने वहाँ बिताये, भारत के जनमानस के हृदय पटल पर अमिट छाप छोड़ गए हैं।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता अभियान का शुभारंभ, जो थाना मंदिर मार्ग के परिसर से हुआ, ने देश में, खासतौर पर युवा पीढ़ी के इरादों में, एक अपार ऊर्जा भर दी और उन्हें प्रेरणा दी कि उनके सपनों का भारत एक स्वच्छ भारत होना चाहिए। दिल्ली पुलिस के लिए 2 अक्टूबर, 2014 के वो क्षण ऐतिहासिक थे। माननीय प्रधानमंत्री जी के पुलिस थाना परिसर में पड़े उन कदमों ने दिल्ली पुलिस के पुलिस कर्मियों व उनके परिवारों को यह भी भरोसा दिलाया, कि सरकार पुलिस कल्याण के लिए हर कदम उनके साथ है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा प्रज्जवलित की गई लौ, अब हमें दिल्ली पुलिस के हर प्रांगण को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर ऊर्जा दे रही है। मंदिर मार्ग के इस ऐतिहासिक पुलिस थाने का वह स्थल हमारे लिए अब एक धरोहर है। इसकी कायाकल्प कर दी गई है, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों को अनंत काल तक स्वच्छ भारत के लिए प्रेरित करता रहे।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिखाई गई दिशा का अनुसरण करते हुए, दिल्ली पुलिस ने स्वच्छ भारत की कल्पना को साकार करने के लिए गंभीर प्रयास किये हैं। एक विशेष पुलिस आयुक्त (अपर पुलिस महानिदेशक) कल्याण/संपदा का पद सृजित कर एक वरिष्ठ अधिकारी को इस मुहिम का मुखिया बनाया गया है।

दिल्ली पुलिस के आवासीय परिसरों में स्वच्छता के प्रति चेतना जगाने के लिए अनेकों कार्यक्रम, बैठकें एवं प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई हैं, जिससे न केवल स्वच्छता के प्रति लोगों में चेतना जागृत हुई है अपितु सार्थक रूप में भी पुलिस परिसरों एवं आवासीय कालोनियों में पहले की अपेक्षा काफी तरक्की हुई है। दिल्ली पुलिस के लगभग 80 हजार कर्मी एवं उनके परिवार माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को दिखाई गई स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृत संकल्प हैं।

जय हिंद!





मंदिर मार्ग थाने का बाहरी साफ-सुथरा और आकर्षक हिस्सा। 2 अक्टूबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित होकर दिल्ली पुलिस ने मंदिर मार्ग थाना परिसर को संवारा।



थाना मंदिर मार्ग की काया-पलट
प्रधानमंत्री जी के अभियान को सभी पुलिस भवनों, परिसरों और थानों में क्रियान्वित किया गया। (रात्रि फोटो)

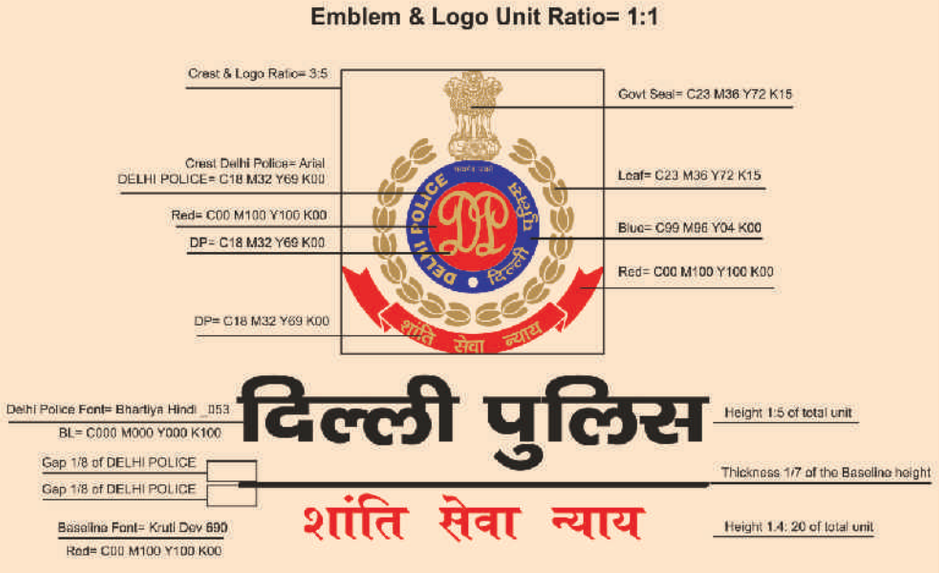


स्वच्छ भारत अभियान की वर्षगांठ पर 2 अक्टूबर 2015 को नई पुलिस लाईन में वृक्षारोपण करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी एवं वि.पु.आ. श्रीमती एस. सुन्दरी नन्दा।

दिल्ली पुलिस प्रतीक चिन्ह् के स्वरूप को समरुपता से प्रयोग करने के आदेश

पुलिस मुख्यालय द्वारा 12 अगस्त, 2015 को जारी एक परिपत्र में सभी जिला/इकाईयों के प्रभारियों से कहा गया है कि दिल्ली पुलिस के सभी भवनों, कार्यालयों, वाहनों, होर्डिंगों, पोस्टरों व स्टेशनरी इत्यादि में प्रयोग होने वाले दिल्ली पुलिस के प्रतीक चिन्ह् 'लोगो' (शांति सेवा न्याय) के स्वरुप का समरूपता के साथ उपयोग में लाया जाए। निर्धारित मापदंड के अनुसार प्रकाशित प्रतीक चिन्ह् का ही प्रयोग करें। दिल्ली पुलिस प्रतीक चिन्ह् का विवरण जैसे आकार, माप व रंग आदि दिल्ली पुलिस की वेबसाइट www.delhipolice@nic.in पर उपलब्ध है।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने माह जुलाई, 2013 को पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद माह जनवरी, 2015 में दिल्ली पुलिस के लोगो **'सत्यमेव जयते''** की जगह नए लोगो **''शांति सेवा न्याय''** की शुरूआत की थी। 3 जनवरी, 2013 को वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को शुरू करने से पूर्व इंडिया हेबिटेट सेंटर, लोधी कॉलोनी में नए



'लोगो' का अनावरण किया था। तत्पश्चात इस 'लोगो' के प्रयोग में कुछ अनियमितताएँ देखने को मिली उन्हीं अनियमितताओं/असमानताओं को दूर करने के लिए परिपत्र के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है। ताकि सभी जिला/इकाईयाँ निर्धारित मापदंडों के अनुसार दिल्ली पुलिस 'लोगो' का सरकारी कामकाज में प्रयोग करें।

शहीद साथियों को शत्-शत् नमन











फोटो: ब्यूरो

शोक परेड का आयोजनः 21 अक्टूबर का दिन सभी पुलिस बलों और अर्धसैनिक संगठनों में 'शहीदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है और शहीद साथियों की याद में शोक परेड़ का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिल्ली पुलिस ने 21 अक्टूबर को किग्जवें कैम्प स्थित नई पुलिस लाईन मैदान में शहीद साथियों की याद में शोक परेड़ का आयोजन किया। जिसमें उन सभी शहीदों का स्मरण किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने **"शहीद पुस्तिका"** से देश के अर्धसैनिक पुलिस संगठनों और पुलिस बलों के शहीद पुलिसकर्मियों की संख्या और नामों को उद्घोषित किया। गतवर्ष 1 सितम्बर, 2014 से लेकर 31 अगस्त, 2015 तक अर्धसैनिक पुलिस संगठनों एवं पुलिस बलों के कुल 443 अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्य पालन के दौरान प्राणों का बलिदान देकर अपने अन्य साथियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। गतवर्ष शहीद साथियों में दिल्ली पुलिस के भी 14 शहीद पुलिसकर्मी शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस के 14 शहीद पुलिसकर्मीः गतवर्ष कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों में दिल्ली पुलिस के एसआई सूबेदार खान (पीसीआर) एसआई हजारी लाल (बाहरी जिला), एएसआई नगेन्द्र पाल (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकांस्टेबल कुलदीप सिंह डागर (उत्तर–पश्चिम जिला), कांस्टेबल प्रवीण (पश्चिमी जिला), कांस्टेबल अजमेर सिंह (पूर्वी जिला), कांस्टेबल सतेन्द्र सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला), कांस्टेबल स्वकार प्रसाद रामा राव (दक्षिण–पूर्वी जिला), कांस्टेबल जगबीर सिंह (बाहरी जिला), कांस्टेबल सहनसर पाल सिंह मलिक, (उत्तर–पूर्वी जिला), कांस्टेबल कर्मबीर सिंह (बाहरी जिला), कांस्टेबल योगेश कुमार (यातायात), कांस्टेबल सत्यपाल सिंह (मध्य जिला), तथा कांस्टेबल धर्मपाल (उत्तर–पूर्वी जिला) शामिल हैं।

अन्य अर्धसैनिक बलों के शहीद पुलिसकर्मियों की संख्याः गतवर्ष कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले विभिन्न पुलिस बलों एवं संगठनों के अधिकारियों एवं जवानों की संख्या इस प्रकार हैः आंध्र प्रदेश 14, असम 06, छत्तीसगढ़ 37, गुजरात 07, जम्मू–कश्मीर 24, झारखंड 11, कर्नाटक, 11, केरल 01, मध्य प्रदेश 17, मणिपुर 03, महाराष्ट्र 10, मेघायल 07, राजस्थान 01, उड़ीसा 02, उत्तर प्रदेश 108, पंजाब 04, उत्तराखंड 06, नागालैंड 02, तेलंगाना 04, पश्चिमी बंगाल 23, बीएसएफ 47, सीआईएसएफ 08 सीआरपीएफ 31, आईटीबीपी 09, आरपीएफ 09, एसएसबी 22, हरियाणा 02 तथा मिजोरम 03। इस मौके पर भूतपूर्व पुलिस आयुक्त श्री एम.बी. कौशल, श्री बी.के. गुप्ता श्री नीरज कुमार एवं पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री आर.के. शर्मा, श्री पी.एन. अग्रवाल, श्री सेवादास, श्री मैक्सवेल परेरा, श्री यू. एन.बी.राव, श्री एस.प्रकाश, श्री एस.बी.दयोल, श्री आदित्य आर्य, श्री सुरेश राय एवं दिल्ली पुलिस के सभी वर्तमान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण किया। इस मौके पर शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस आयुक्त से लेकर एमटीएस स्टाफ तक सभी ने अपने साथियों को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

शहीद दिवस की शुरूआतः आज से 56 वर्ष पूर्व आज ही के दिन वर्ष 1959 में भारतीय पुलिस दल की एक छोटी टुकडी लद्दाख क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा के लिए तैनात थी। वहीं एक पहाड़ी पर छुपे चीनी सैनिकों के भारी दस्ते ने उन पर अचानक हमला कर दिया। देश के शत्रुओं का सामना करते हुए भारतीय पुलिस दल के 10 जवान उस मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। तब से प्रत्येक वर्ष हम उन शहीदों को आज के दिन याद करते हैं। इसके साथ ही देश की सेवा में गतवर्ष प्राण न्यौछावर करने वाले हर पुलिसकर्मी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस दिन को सभी केंद्रीय पुलिस संगठन और राज्यों की पुलिस **"शहीदी दिवस"** के रूप में मनाते हैं।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री द्वारा नए साउथ एवेन्यू थाने का उद्घाटन।



केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हरीभाई पार्थीभाई चौधरी ने 16 अक्टूबर, 2015 को नए साउथ एवेन्यू थाने का उद्घाटन किया। नई दिल्ली में स्थित इस नए थाने के उद्घाटन के समय दिल्ली के **उपराज्यपाल श्री नजीब जंग, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त (डी.जी. स्केल) श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा, उपायुक्त पुलिस नई दिल्ली जिला श्री जतिन नरवाल** सहित भारी संख्या में जिले के अधिकारी एवं जवान तथा मीडियाकर्मी मौजूद थे। इस मौके पर श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में स्मार्ट पुलिस बनाने का जो वायदा किया था उसे पूरा करने की दिशा में मोदी सरकार निरंतर आगे बढ़ रही है। नए साउथ एवेन्यू थाने का उद्घाटन भी उसी कड़ी का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा दिल्ली देश का केन्द्र बिंदू होने के कारण यहां "छोटी घटनाएँ' भी सक्रिय मीडिया की मौजूदगी के कारण सुर्खियों में आ जाती है, जबकि दिल्ली की आबादी के लिहाज़ से अपराध की दर कम है। **उपराज्यपाल श्री नजीब जंग** ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पुलिसकर्मी बहुत कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्य को अंजाम देते हैं और उसी का परिणाम है कि हम अपने परिवार और बच्चों के साथ ईद–दीवाली जैसे हर छोटे–बड़े त्यौहारों की खुशी मना पाते हैं। पुलिसकर्मी अपने परिवार व बच्चे होने के बावजूद हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर त्यौहार पर अपने परिवारों से दूर ड्यूटी को अंजाम देते हैं। वास्तव में आप सब बधाई व प्रशंसा के पात्र है। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से यह पुलिस स्टेशन काफी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील रहेगा। इस थाने का कार्य क्षेत्र भले ही कम हो पर समस्याएँ अन्य किसी पुलिस स्टेशन से कम नहीं होंगी। क्योंकि इस थाना के अन्तर्गत राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन, विज्ञान भवन जैसे अनेकों महत्वपूर्ण भवन, कार्यालय और प्रदर्शन स्थल हैं।

दिल्ली पुलिस वेबसाइट पर "दिल्ली पुलिस शहीद स्मरणात्मक पृष्ठ" का उद्घाटन



21 अक्टूबर, 2015 **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने शहीद पुलिसकर्मियों के लिए दिल्ली पुलिस की वेबसाइट www.delhipolice.nic.in पर "दिल्ली पुलिस शहीद स्मरणात्मक पृष्ठ" का उद्घाटन किया। इस पृष्ठ पर एक ऐसी ई–बुक तैयार की गई जिसमें दिल्ली पुलिस के उन शहीद पुलिसकर्मियों का विवरण दिया गया है, जिन्होंने अपने कर्तव्यपालन के दौरान हुई हिंसक मुठभेड़ में या अन्य किसी प्रकार के हमले में उच्च कोटि के पराक्रम और अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों की आहुति दी हैं। वर्तमान में इस पृष्ठ में 21 शहीद पुलिसकर्मियों की विस्तृत जानकारी के अलावा 118 शहीदों के नाम भी दर्ज किये गये हैं। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त (डी.जी. स्केल) श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, अति.आ.पु. श्री आलोक वर्मा एवं उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत के अलावा काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सरकारी कामकाज में हिन्दी भाषा के प्रयोग पर जोर दें।



हम भारत की सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन हिंदी हमारी मातृभाषा होने के साथ राष्ट्रभाषा भी है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम सारे सरकारी काम काज हिंदी में करें। मैं अपने सभी अफसरों और मातहतों से आग्रह करना चाहूँगा कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने के अलावा पूरे साल सभी सरकारी काम काज हिंदी में करने की कोशिश करें क्योंकि अपने कामकाज में राजभाषा का इस्तेमाल करने से न केवल आम आदमी की बात, समस्या समझने में आसानी होगी, बल्कि उसकी बेहतर तरीके से मदद करने में भी मदद मिलेगी। **पुलिस आयुक्त, श्री भीम सैन बस्सी।**

हमारी आचार संहिता

हमें यह बात जान लेनी चाहिए कि हमारे कार्य की सफलता जनता से तुरंत सहयोग मिलने पर ज्यादा निर्भर करती है। जनता का सहयोग उनका विश्वास जीतने की हमारी क्षमता तथा अपने कार्यों के प्रति उनका समर्थन जुटा पाने की योग्यता पर निर्भर करता है।

प्रशिक्षण समाप्ति के बाद 148 प्रशिक्षु एसआई, 1223 कां0 व 70 महिला कांस्टेबल पुलिस परिवार में शामिल हुए







22 सितम्बर, 2015 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। जिसमें 148 प्रशिक्षु एसआई, 1223 कांस्टेबल व 70 महिला कांस्टेबलों ने अपना प्रशिक्षण समाप्त कर दिल्ली पुलिस परिवार की पूर्ण सदस्यता ग्रहण की। समारोह के मुख्य अतिथि **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन** बस्सी ने परेड की सलामी ली। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार, उप प्रधानाचार्य, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज श्री एन. ज्ञानसंबंधन** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, मीडिया के प्रतिनिधि और प्रशिक्षण लेने वाले पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित थे।

समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत शानदार परेड़ की प्रशंसा करते हुए उन्हें पुलिस परिवार में शामिल होने पर शुभकामनाएँ दी। प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून–व्यवस्था बनाए रखने, महिलाओं व कमजोर वर्ग की सुरक्षा करने के साथ–साथ समाज सेवा की भावना से ओत–प्रोत होकर अपने पुलिस करियर की शुरूआत करें। अपने कठिन परिश्रम, ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ आम जनता का विश्वास प्राप्त करें। आपका परिश्रम और जनता का विश्वास आपकी सफलता की कुंजी होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के स्लोगन **'शांति सेवा न्याय'** की सम्पूर्णता और सार्थकता को पूरे उत्साह के साथ अपने दायित्व निर्वहन में शामिल करें।

प्रशिक्षु एसआई को कानून, पुलिस विज्ञान, अपराध–विज्ञान, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, सुरक्षा प्रबंधन, साइबर क्राइम जांच, मानव अधिकार व ड्यूटी के दौरान अनुशासन व शालीन व्यवहार का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही प्रशिक्षु पुरूष व महिला कांस्टेबलों को भी लिंग–भेद, महिलाओं, बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विषयों के बारे में गहन प्रशिक्षण दिया गया। महिला कांस्टेबलों को यूएसी और कमांडो का प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी एसआई श्री नारायण ओझा, कांस्टेबल दिनेश दहिया और महिला कां0 शीलू सिंह को मुख्य अतिथि महोदय ने ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।



वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी

न्यूयार्क मे होने वाली पुलिस आधुनिकीकरण एव सुरक्षा संबंधी मीटिंग से पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के बीच परस्पर चर्चा सम्पन्न।



14 अक्टूबर, 2015 को गृहमंत्रालय (पुलिस मॉडर्नाइज़ेशन डिविजन) के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय में गृहमंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता व बेंगलूरु के पुलिस आयुक्तों तथा दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच एक मीटिंग आयोजित हुई। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक का उद्देश्य 16 से 20 नवम्बर, 2015 के बीच न्यूयार्क में होने वाली पुलिस आधुनिकीकरण एवं सुरक्षा संबंधी विषयों (होमलेंड सिक्योरिटी डायलॉग) पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के बीच परस्पर विचार–विमर्श करना था। बैठक में गृहमंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री वी.वीमलूनमंग, उप–सचिव श्री अमरीक सिंह, मुम्बई के पुलिस आयुक्त श्री अहमद जावेद, कोलकता के पुलिस आयुक्त श्री सुरजीत कार पुरकायस्था तथा बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त श्री एन.एस.मेघरिख, विदेश मंत्रालय के निदेशक श्री विमल एक्यूमो तथा दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान नियंत्रण कक्ष, संयोजन केन्द्र, सीसीटीवी परिचालन के अनुभव तथा उनका अधिकतम उपयोग, पुलिस बल एवं पुलिस स्टेशनों की कार्यक्षमता का मापदंड, प्राथमिकताएँ एवं उपचार की संरचना, स्मार्ट पुलिसिंग की संकल्पना पर आधारित पुलिस सेवा को बढ़ाने के लिए मोबाइल एपस् और सोशल मीडिया का प्रयोग, आम जनता की भागीदारी व फॉरेसिंग साइंस जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।









पुरानी सीलमपुर पुलिस चौकी का पुनः शुभारंभ

कई वर्ष पूर्व बंद हुई पुरानी सीलमपुर पुलिस चौकी को पुनः शुरू किया गया है। **उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री भैरों सिंह गुज्जर** ने 16 सितम्बर, 2015 को आम जनता द्वारा इस चौकी का उद्घाटन कराया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों के अलावा भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी। इलाके की जनता काफी दिनों से सीलमपुर पुलिस चौकी को पुनः शुरू करने की मांग करती आ रही थी। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में विभिन्न धर्मो और समुदायों के नागरिक रहते हैं, इसलिए थाना कृष्णा नगर के अंतर्गत आने वाली इस पुलिस चौकी को काफी संवेदनशील माना जाता है।



आनंद पर्वत थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 23 सितम्बर, 2015 को मध्य जिला के थाना आनंद पर्वत की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डी.जी. स्केल) श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, श्री आर.एस. कृष्णैया, श्री संजय बेनीवाल, उपायुक्त पुलिस श्री परमादित्य, अति. उपा.पुलिस श्री एस.एस.यादव** के अलावा भारी संख्या में जिले के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम (मध्य परिक्षेत्र)** ने थाने की भौगोलिक स्थिति के बारे में बताया कि रामजस डे–बोर्डिंग स्कूल के सामने स्थित आनंद पर्वत थाना लगभग 1465 वर्गगज में निर्मित है और नए भवन में 8 आई.ओ.रूम, 8 छोटी बैरिक, अहसास व संक्रमण कक्ष, जिम, मालखाना, स्वागत कक्ष जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई है। **उपायुक्त पुलिस मध्य जिला श्री**





परमादित्य ने बताया कि काफी भीड़भाड़ वाली आबादी में स्थित इस थाने की बिल्डिंग में पुलिसकर्मियों की हर सुख–सुविधा को ध्यान में रखा गया है जो न केवल पुलिसकर्मियों के काम में उत्साहवर्धक साबित होगी, बल्कि आम जनता को भी काफी सुविधा होगी। आनंद पर्वत थानाध्यक्ष सहदेव राणा के अथक प्रयासों से उद्घाटन समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने काफी सराहा।

मॉडल टाऊन पुलिस कॉलोनी/पीसीआर लाईन में कैंटीन, जिम, बास्केट बॉल कोर्ट व कॉफ्रेंस हॉल का पुलिस आयुक्त द्वारा उद्घाटन









2 अक्टूबर, 2015 को स्वच्छ भारत अभियान की पहली वर्षगॉठ पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने मॉडल टाउन पुलिस कॉलोनी और पीसीआर लाइन में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, श्री एस. वासुदेवा राव, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (पीसीआर) श्री रणबीर सिंह, उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला, श्री विजय सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत** सहित भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान एवं उनके परिजन उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पेड़–पौधे लगाए। पीसीआर लाइन में जिम व कैंटीन का उद्घाटन किया। मॉडल टाउन स्थित पुलिस कॉलोनी एवं पूर्व में निर्मित सामुदायिक केन्द्र में चल रहे मरम्मत कार्यो का जायजा लिया। अपने इसी दौरे के दौरान पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कॉफ्रेंस हॉल, बॉस्केट बॉल कोर्ट आदि का भी विधिवत् उद्घाटन किया। अपने सौम्य एवं सहज भाव के चलते पुलिस आयुक्त महोदय ने न केवल पुलिस कॉलोनियों के नौनिहालों के साथ बास्केट बॉल खेलने का आनंद उठाया बल्कि सामुदायिक भवन में आत्मरक्षा प्रशिक्षण ले रहे बच्चों से भी मुलाकात की। काफी देर चले इस समारोह में आसपास की पुलिस कॉलोनियों की महिलाओं ने भी पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। पुलिस आयुक्त ने सभी शिकायतों पर सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

















फोटो : दीपक

पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक सम्पन्न



12 अक्टूबर, 2015 को प्रोविजनिंग एंड लॉजिस्टिक यूनिट में दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक सम्पन्न हुई। समिति की बैठक में **श्रीमती सुनीरा बस्सी** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में वर्ष 2015–2016 की वार्षिक रिपोर्ट पर विचार–विमर्श किया गया। बैठक के दौरान समिति की उपाध्यक्ष एवं विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.वासुदेवा राव, उपायुक्त पुलिस पीएडंएल श्री शरत कुमार सिन्हा व अन्य सदस्य उपस्थित थे। समिति के सह सचिव श्री शरत कुमार सिन्हा ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की और चार्टर्ड एकांउटेंट श्री प्रमोद भटनागर ने वित्तीय रिपोर्ट पर विचार–विमर्श किया। समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी ने समिति को गतवर्ष हुए 1.68 लाख रूप्ये के लाभांश की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें सीमिति के सदस्यों की सख्या को और बढ़ाने की जरूरत हैं ताकि समिति और अधिक कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाने तथा उन्हें निरंतर संचालित कर सके। उन्होंने दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में चल रहे बिक्री केन्द्रों और समिति द्वारा चलाये जा रहे जूट बैग, होटल प्रबंधन और योग कक्षाओं की भी प्रशंसा की। बैठक के अंत में गाँधी जयंति पर आयोजित चित्रकला, निबंध व अन्य प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान पाने वाले दिल्ली पुलिस परिवार के बच्चों को पुरस्कृत किया।





18 अक्टूबर, 2015 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने एनजीओ **"फॉरम फॉर ब्रेस्ट प्रोटेक्शन"** द्वारा आयोजित "ड्राइव टू डिफीट ब्रेस्ट कैंसर रैली" को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से शुरू होकर छतरपुर तक पहुंची इस रैली में 35 विंटेज कार व 10 बाइकों ने हिस्सा लिया। इस रैली का उद्देश्य स्तन कैंसर से जुड़ी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता लाना था।



विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन एवं समन्वय) श्रीमती विमला मेहरा ने उपायुक्त पुलिस (भूमि एवं भवन) श्री वी.ए.गुप्ता के गोवा स्थानांतरित होने पर 21 सितम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय में पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें नए प्रभार की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के सिंह के अलावा उपायुक्त पुलिस (भूमि एवं भवन) श्री ऋषिपाल भी उपस्थित थे।



एसीपी
श्री जितेन्द्र सिंह त्यागी
(पीएंडएल),
31 अक्टूबर 2015 को
सेवानिवृत्त

रामलीलाओं और दशहरे का सफल मंचन

पिछले दिनों दिल्ली में हुई हजारों छोटी–बड़ी रामलीलाएँ एवं दशहरे का पर्व शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना और किसी भी अप्रिय वारदात को न होने देना पुलिसकर्मियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। यह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मागदर्शन और कर्मियों के कठिन परिश्रम व कर्तव्य के प्रति निष्ठा का ही परिणाम है कि दिल्लीवासियों ने इन पर्वो का आनंद उठाया। जिसके लिए आप सभी बधाई और प्रशंसा के पात्र हैं।

इंस्पेक्टर हरीश चन्द्र के सुपुत्र अवनीश पराशर ने संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में 490वां स्थान पाया।



अवनीश पराशर

किसी भी अभिभावक के लिए वह क्षण बहुत ही गौरवमय व फख्र का होता है जब उसकी संतान अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में सफल होती है। ऐसा ही क्षण आया है बाहरी जिला में तैनात इंस्पेक्टर हरीश चन्द्र के जीवन में जब उनके सुपुत्र अवनीश कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में 490वां स्थान प्राप्त कर अपने सुनहरे भविष्य की नीवं रखी है। अवनीश की सफलता पर न केवल उसके परिवार को गर्व है बल्कि दिल्ली पुलिस परिवार का सदस्य होने पर दिल्ली पुलिस परिवार भी गौरान्वित हुआ है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से जुड़े सीआईटीएम कॉलेज, फरीदाबाद से बी.टेक करने वाले अवनीश पराशर ने अपनी स्कूली शिक्षा पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल से पूरी की। प्रारंभ से ही कुशाग्र बुद्धि के धनी अवनीश पराशर ने सदैव स्कूल व कॉलेज की हर सांस्कृतिक, वाद–विवाद और खेल–कूद प्रतियोगिता में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। दिल्ली पुलिस परिवार उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

थानाध्यक्ष न्यू अशोक नगर ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाया

पूर्वी जिला के न्यू अशोक नगर थाने के नवनियुक्त थानाध्यक्ष श्री एसएन पांडे ने न केवल स्कूली बच्चों के साथ मिलकर स्कूल के आसपास, बल्कि अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर अपने थाना परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। बच्चों को सफाई के लिए दस्ताने व मॉस्क भी उपलब्ध कराये गये और उन्हें पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

अच्छी तफ्तीश

कमला मार्केट इलाके में दिनदहाड़े हुई सवा करोड़ की सनसनीखेज लूट का मामला सुलझाने में सफल रही मध्य जिला पुलिस की सक्रिय टीमें ।



मध्य जिला पुलिस ने फिल्म शार्गिद देख कर दिनदहाड़े लगभग 1.25 करोड़ की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की अधिकांश रकम, वारदात में प्रयुक्त डस्टर कार, बाइक, एक रिवाल्वर, 11 कारतूस, पुलिस की वर्दी और वायरलैस सेट बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता पायी है। उपायुक्त पुलिस मध्य जिला श्री परमादित्य ने संवाददाताओं को बताया कि 8 सितम्बर, 2015 को जमशेदपुर (झारखंड) निवासी प्रभय महतो ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह आलोक स्टील कंपनी में अकाउंट विभाग में काम करता है और अपने मालिक द्वारा भेजे गये दो सूटकेस और एक कार्टन लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उतरा था और उसे यह सामान लेकर गुडगाँव स्थित कंपनी में जाना था। गुडगांव कंपनी में कार्यरत चालक सुनील और विजय मिश्रा उसे लेने डस्टर गाड़ी में आये थे। वे सब डस्टर कार में बैठकर गुडगांव की तरफ जा रहे थे कि अचानक एक बाइक पर दो सवारों ने ओवरटेक करके उनकी कार को रूकवा लिया। कार रूकी ही थी कि अचानक पुलिस की वर्दी में एक सिख व्यक्ति ने कार को अपने कब्जे में ले लिया और उसके साथी जो हाथ में वायरलैस सेट आदि लिये हुए थे जबरन कार में घुस गये। जबरन कार में घुसे इन व्यक्तियों ने हथियारों का भय दिखाकर उनके मोबाइल फोन आदि अपने कब्जे में ले लिये और कार को गीता कॉलोनी फ्लाई–ओवर की तरफ ले गये और वहां हम सबको नीचे उतार कर सूटकेस और कार्टन लूट कर फरार हो गये। प्रभय महतो ने इस घटना की जानकारी झारखंड में अपने मालिक को दी तो ज्ञात हुआ कि सूटकेसों और कार्टन में 1.25 करोड़ रूपये रखे हुए थे। 8 सितम्बर, 2015 की दोपहर कमला मार्केट इलाके के थॉम्सन रोड पर हुई लूट की वारदात सुलझाने में पुलिस के सामने उस समय असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई थी कि जब जांच टीम को जानकारी मिली कि लुटने वालों को ही नहीं पता था कि कितनी रकम लूटी गई है। परन्तु तेज–तर्रार पुलिस टीम को आभास हुआ कि जब लुटने वाले कर्मचारियों को ही नहीं पता कि कितनी रकम लूटी है तो उसकी बदमाशों को कैसे भनक लगी। इससे जाहिर है कि इस बड़ी लूट की वारदात में झारखंड या गुडगांव स्थित कंपनी का ही कोई कर्मी शामिल है। पुलिस टीम ने डस्टर कार चालक सुनील से सघन पूछताछ तो उसके बयानों में परस्पर विरोधाभास मिला। गुडगांव स्थित कंपनी के चालक सुनील से जब सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने इस लूटपाट के पूरे षडयंत्र में अपना हाथ होना कबूल कर लिया। गहन पूछताछ पर उसने बताया कि उसे ज्ञात था कि रांची स्थित कंपनी से काफी रूपये ट्रेन के माध्यम से दिल्ली होते हुए गुडगांव कंपनी में आते हैं। उसने अपने दोस्त श्रद्धा कुमार से लूट की वारदात को अंजाम देने की साजिश रची। श्रद्धा ने पूर्व सैनिक बेअंत सिंह को शामिल किया और इसी तरह कुल सात लोगों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। इसके लिए अभियुक्तों ने दिल्ली कैंट से बेअंत सिंह के लिए हवलदार की वर्दी और अन्यों के लिए सफारी सूट सिलवाए। संदेह के आधार पर ही त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम लूट के असली षडयंत्रकर्ता और उसके साथियों तक पहुंचने में कामयाब हुई। 10 सितम्बर, 2015 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने इस जांबाज टीम के सदस्यों को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी देते हुए पूरी टीम को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) (कानून–व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा, मध्य परिक्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, मध्य जिला के उपायुक्त पुलिस श्री परमादित्य** इलाके के एसीपी, थानाध्यक्ष व टीम के सदस्य उपस्थित थे।



दक्षिण–पूर्वी परिक्षेत्र के अलावा पांडव नगर गाज़ीपुर व उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर गोलियां चलाकर सनसनी फैलाने वाले फुरकान (25) नामक खूंखार बदमाश को गिफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 12 अक्टूबर, 2015 को पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी दी। फुरकान की गिरफ्तारी से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हुई लगभग 20 आपराधिक वारदातों को सुलझाने में सफलता मिली।

अपराध शाखा की टीम ने दिन में गोदामों की रेकी कर रात में माल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया।



अपराध शाखा के **इंस्पेक्टर सुरेन्द्र दलाल, एसआई शिवराज त्यागी, एएसआई सुखबीर सिंह व हैडकां0 सुरेन्द्र** की टीम ने 4 सितम्बर, 2015 को एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया जो दिन के समय अलीपुर व समयपुर इलाके में स्थित गोदामों की रैकी करता और रात के समय माल को टैम्पों में भर कर बिहार भेज देता था। अति0 आय0पुलिस श्री आलोक कुमार के मार्गदर्शन में काम कर रही टीम के एएसआई सुखबीर सिंह को सूचना मिली थी कि बिहार के रहने वाले 4/5 लोगों का एक ऐसा गिरोह इलाके में सक्रिय है जो गोदामों में चोरी कर माल को बिहार भेज देता हैं। पुलिस टीम सक्रिय हुई और कई दिनों की निगरानी के बाद 5 लोगों को उस समय रंगेहाथ दबोच लिया जब वे एक गोदाम से पीवीसी पाइप एक टाटा 709 टैंपों में भर रहे थे। संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव ने इस संबंध में विस्तार से बताया कि पूछताछ पर पता चला कि अभियुक्त दर्जनभर से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। अभियुक्त दिन के समय रेकी करते और रात के समय आयरन कटर से गोदाम का ताला काट कर अपना ताला लगा देते है और सुबह के समय इत्मीनान से गोदाम में रखे सामान को टेम्पों में ऐसे लादते जैसे वह गोदाम उन्हीं का हो। अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने टीम के सदस्यों के काम को सराहा और शाबाशी दी।

न्यू उस्मानपुर थानाध्यक्ष ने अपनी निजी कार में पीछा कर 9.5 लाख रूपये लूट कर भाग रहे दो लूटेरों को धर–दबोचा।

1 सितम्बर, 2015 को करोलबाग की एक कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करने वाले सोनिया विहार निवासी सुशील कुमार से लूटपाट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो रहे दो बदमाशों को धर–दबोचने में **इंस्पेक्टर विपिन कुमार शर्मा** एवं **हैडकां0 प्रदीप** ने एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी होने को बखूबी निभाया है। घटना वाले दिन सुशील कुमार दिल्ली व गाजियाबाद इलाके से लगभग 9.5 लाख रूपये नकद व 2.5 लाख रूपये का चैक लेकर खजूरी खास इलाके में पुश्ता रोड से गुजर रहे थे। रात लगभग 8.30 बजे अचानक एक मोटरसाइकिल पर दो बदमाश आए और तमंचे की नोंक पर उसका रूपयों वाला बैग लूट कर वजीराबाद की तरफ भाग गये। इसी बीच उस समय खजूरी खास के अतिरिक्त थानाध्यक्ष और वर्तमान में न्यू उस्मानपुर के थानाध्यक्ष विपिन कुमार शर्मा व हैडकां0 प्रदीप अपनी निजी कार से वारदात की जगह से गुजर रहे थे। वारदात की जानकारी मिलने पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार ने अपनी कार से बदमाशों का पीछा कर अमरोहा निवासी मशरूक और रिजवान नामक दो बदमाशों को दबोचते हुए उनके कब्जे से लूटी गई रकम, व अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, तमंचा और 3 कारतूस बरामद करने में सफलता पाई।

अच्छी कामयाबी

दिन-दहाड़े हुई 65 लाख की सनसनीखेज डकैती की वारदात को मात्र 12 घंटे में उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने सुलझाने में सफलता प्राप्त की।

उत्तर–पश्चिमी जिला पुलिस की एक तेज–तर्रार पुलिस टीम ने अपनी उत्कृष्ट जांच और पेशेवर निपुणता का परिचय देते हुए इलाके में दिन–दहाडे हुई 65 लाख की सनसनीखेज डकैती की वारदात को मात्र 12 घंटों में सुलझाने में शानदार सफलता पाई है। इसे पुलिस टीम की कार्यकुशलता और तत्परता ही कहा जाएगा कि 8 बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए लूट की अधिकांश रकम 64.5 लाख रूपये बरामद करने के साथ–साथ अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिलों को बरामद करने में कामयाबी हासिल की। 5 अक्टूबर, 2015 को श्री सन्नी जैन द्वारा संचालित यूएलएक्स टेक्नोलॉजिज़ प्रा0लि0 मैट्रो मॉल, करोल बाग, दिल्ली नामक कंपनी का कर्मचारी राज कुमार कनौजिया अपने एक साथी दिनेश के साथ सी–34, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र से 65 लाख की रकम एकत्रित करने गये था। पैसे लेने के बाद राजकुमार व दिनेश स्कूटी पर वापिस अपने कार्यालय की तरफ लौट रहे थे। जब ये दोनों अशोक विहार रेलवे ट्रैक, अंडरपास के निकट पहुंचे तो अचानक एक स्पोर्टस मोटरसाइकिल उनके निकट आई और पीछे बैठे बदमाश ने स्कूटी के पीछे बैठे दिनेश को जोरदार थप्पड़ मारा, स्कूटी असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। इसी बीच दो और बदमाश मौके पर पहुंचे और पिस्टल की नोंक पर रूपयों से भरा बैग लूट कर फरार हो गये। इस संबंध में थाना अशोक विहार में तत्काल मामला दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी। उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला श्री विजय सिंह ने संवाददाताओं को घटना के बारे में विस्तार से बताया कि घटना की जानकारी मिलने के तत्काल बाद **एसीपी अशोक विहार श्री मोहम्मद इकबाल, एसीपी श्री आर.के.ओझा, स्पेशल स्टाफ** के **इंस्पेक्टर श्याम सुन्दर, थानाध्यक्ष आर.के.मान व एसआई अजय एसआई विजेन्द्र नागर, विपिन, संदीप कुमार, उमेश राणा, एएसआई सुशील, हैडकां0 सुरेश, अशोक, सुभाष, हैडकां0 ओमपाल, हैडकां0 विनय तथा कांए0 नीरज, सतेन्द्र, मंजीत, संजीत, कंवलजीत व संजय** की टीम गठित की। टीम के सदस्यों ने सन्नी जैन की कंपनी के कर्मचारियों विशेष कर नए और पुराने कर्मचारियों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए छानबीन शुरू की। इसी बीच टीम को पैसे एकत्रित करने गये दिनेश नामक कर्मचारी पर ही संदेह हुआ जो लगभग एक वर्ष पूर्व कंपनी छोड गया था और 15 दिन पूर्व ही वापिस लौट कर आया था। कड़ी पूछताछ पर दिनेश ने स्वीकार किया कि वह ही पूरे घटनाक्रम का षडयंत्रकर्ता है और उसी ने यह साजिश रची थी और दोस्तों सचित और नकुल के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। उसके साथ कुछ अन्य बदमाश भी इस डकैती की वारदात में शामिल थे। इस संबंध में पुलिस टीम ने कुल 8 बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 64.5 लाख रूपये बरामद करने के अलावा अपराध में धूम फिल्म की तर्ज पर प्रयुक्त की गई डयूक, अपाचे और याहमा–आर 15 जैसी महंगी मोटरसाइकिलें भी बरामद की है। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि अधिकांश बदमाश 19 से 21 वर्ष की आयु के है और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र है। इसके अलावा सभी 8 बदमाशों में ज्यादातर मुंडका/नांगलोई इलाके के रहने वाले है और अच्छे परिवारों से तालुक्क रखते हैं। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए इस सनसानीखेज वारदात का पटाक्षेप करने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशंसा की है।

उप-निरीक्षक पद पर भर्ती के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया नहीं।

दिल्ली पुलिस में भविष्य में होने वाली उप–निरीक्षकों की भर्ती में साक्षात्कार नहीं होगा। 16 अक्टूबर, 2015 को सभी समाचार पत्रों में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गया है कि गृहमंत्रालय ने साक्षात्कार की प्रक्रिया को समाप्त करने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली पुलिस में उप–निरीक्षक समूह सी के लिए कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में साक्षात्कार समाप्त करने की मंजूरी हेतु कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने प्रैस विज्ञप्ति जारी की है।

गुजरात व असम के कारोबारियों को करोड़ों का चूना लगाने वाला ठग को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने उदयपुर से धर दबोचा।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ शाखा की टीम ने कॉरपोरेट लोन व लोन गारंटी के नाम पर औद्योगिक घरानों को ठगी का शिकार बनाने वाले ठग संजय शर्मा उर्फ संजय भारद्वाज को उदयपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार कर अपनी पेशेवर निपुणता का एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है। 10 सितम्बर, 2015 को **एसीपी श्री मगन सिंह शेखावत** की टीम में **एसआई उमेश शर्मा व अवधेश कुमार** को सूचना मिली थी कि अलग–अलग राज्यों में हुई 8 बड़ी ठगी की वारदातों में शामिल अभियुक्त संजय शर्मा उर्फ संजय भारद्वाज उदयपुर (राजस्थान) में किसी से मिलने आ रहा है। उपायुक्त पुलिस (ई.ओ.डब्लू) श्री मंगेश कश्यप ने इस संबंध में संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि ठगी के एक मामले में दिल्ली की साकेत कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किये इस अभियुक्त संजय शर्मा उर्फ संजय भारद्वाज की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने भी 50 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया हुआ था। पुलिस टीमों को काफी दिनों से चकमा देने वाले इस बदमाश के बारे में गुजरात के एक कारोबारी ने 17 सितम्बर, 2014 को आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी कंपनी में नुकसान होने की वजह से उसे ऋण की जरूरत थी। किसी एक कार्यक्रम में इस कारोबारी के भाई श्री रमेश की मुलाकात संजय शर्मा और साकेत शर्मा से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी एक बड़ी फाइनेंस कम्पनी है जो 100 करोड़ से ज्यादा का कॉरपोरेट लोन उपलब्ध कराती है और उनकी कंपनी का हेडक्वार्टर थाईलैंड में स्थित है। पीड़ित कारोबारियों ने संजय शर्मा से उन्हें 400 करोड़ रूपये का ऋण दिलाने का वायदा किया। संजय शर्मा ने कारोबारी को दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में एक विदेशी नागरिक डेविड वेल्हाम, राज मल्होत्रा उर्फ अरूण शर्मा और एक वकील नीरज गुप्ता से मिलवाया। ठग संजय शर्मा ने इन सभी को अपनी कंपनी के टॉप लेवल के अधिकारी बताया। मीटिंग के बाद प्रोसेसिंग फीस के नाम पर उन्होंने अपने खातों में 12.07 करोड़ रूपये जमा करवा कर रकम ठग ली। ठगी का शिकार हुए एक अन्य कारोबारी श्री अशोक ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2008–09 में बिजली की तीन सरकारी कंपनियों से उन्हें अंडरग्राउंड केबल डालने का एक कांट्रैक्ट मिला था और इसके लिए तीनों कंपनियों ने श्री अशोक की कंपनी को 15 से 30 दिनों के अंदर 33 करोड़ रूपये की बैंक गारंटी मांगी। कारोबारी श्री अशोक ने इस संबंध में गिरफ्तार अभियुक्त संजय भारद्वाज, साकेत भारद्वाज एवं उनके पिता श्री ओमप्रकाश भारद्वाज से बैंक गारंटी मांगी तो उन्होंने झांसा देकर उससे 1.09 करोड़ रूपये ठग लिये। पुलिस टीम द्वारा छानबीन के दौरान पता चला कि पिता व पुत्रों ने मिलकर देशभर के कई प्रमुख शहरों में कारोबारियों को अपना शिकार बनाया है।

ख्याला के तिहरे हत्याकांड के मुलजिमों को शिकंजों के पीछे पहुंचाया पश्चिमी जिला पुलिस टीम ने

पश्चिमी जिला में **एसीपी राजौरी गार्डन श्री सुरेश कौशिक** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर तनवीर अशराफ, इंस्पेक्टर ओमप्रकाश, एसआई यादराम, एसआई आनंद प्रकाश, एसआई अजय, हैडकां0 अमृत व कां0 विजेन्द्र, कमल, राजेन्द्र तथा सचिन** की टीम ने 21 सितम्बर, 2015 को रघुबीर नगर स्थित एक मकान की द्वितीय मंजिल पर हुई एक महिला शबनम व उसके 2 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या के आरोप में एक नाबालिग सहित 3 लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई हैं। 4 अक्तूबर, 2015 को मामले का खुलासा करते हुए **उपायुक्त पुलिस पश्चिमी जिला श्री पुष्पेन्द्र कुमार** ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस टीम ने प्रारंभ में मृतका के पति, परिचितों, आसपास रहने वालों के साथ–साथ इलेक्ट्रानिक सविलांस की मदद से जांच शुरू की। पुलिस टीम अपने अथक प्रयासों से ही मुख्य अभियुक्त और पीड़ित के परिचित अकरम तक पहुंची और उससे पूछताछ के आधार पर मोहम्मद शाहिद, मंजूर व एक नाबालिग तक पहुंची। लूटपाट के इरादे से की गई इस हत्याकांड में नाबालिग ने गली में खडा होकर निगरानी की थी।

सेवानिवृत्त पर हार्दिक शुभकामनाएँ

माह जुलाई व अगस्त, 2015 के दौरान विभिन्न जिला/इकाईयों से 165 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। दिल्ली पुलिस परिवार सभी सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता है। **जुलाई माह में सेवानिवृत पुलिसकर्मी**:–इंस्पेक्टर सवाई सिंह निरवान, हैडकां0 दयानन्द व एमटीएस विनय कुमार (पुलिस मुख्यालय), एसआई ओमप्रकाश, एसआई रामफूल सिंह, एसआई अब्दुल वकीम खान, एसआई अच्छे लाल पांडे, एसआई हनीफ खान, एसआई धर्मपाल, एसआई छतर सिंह व हैडकां0 विनोद कुमार (सुरक्षा), एसआई प्रेम कुमार, एसआई सत्यवीर सिंह तथा एसआई महिनूद्दीन (विशेष शाखा), इंस्पेक्टर मेहरूद्दीन खान, एएसआई हरी लाल व एएसआई राजमल (उत्तर–पूर्वी जिला), एसआई राजेन्द्र कुमार, एसआई राम करण, एएसआई दलीप कुमार व एएसआई सुरेन्द्र कुमार (पीएंडएल), एसआई रविन्द्र कुमार (एफआरआरओ), एसआई सुरज भान, एसआई किरणपाल व एसआई मेघराज (दक्षिण–पश्चिमी जिला) हैडकां ओमप्रकाश (तृतीय वाहिनी) एसआई मनवर सिंह व हैडकां0 गंगाराम (पीटीसी), एसआई गोपाल सिंह, एसआई रामनाथ सिंह व एएसआई ईश्वर सिंह (दक्षिण जिला), एसआई देवेन्द्र सिंह, एएसआई खेमराज, एएसआई सुरजभान व हैडकां0 राजसिंह (बाहरी जिला), इंस्पेक्टर जयसिंह, एसआई अशरूल हक, हैडकां0 रामपाल सिंह (पूर्वी जिला), हैडकां0 सुरेश चंद (डीईसेल), हैडकां0 संसार सिंह (उत्तर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 सुरेशपाल व हैडकां0 शेर सिंह (प्रथम वाहिनी डीएपी), एसआई शिवराम बोरा (आईआर बटालियन), एसआई राजबीर सिंह व हैडकां0 अनूप सिंह (पश्चिमी जिला), एसआई राजेन्द्र सिंह (आईजीआईएयरपोर्ट), एसआई चरण सिंह,एसआई योगेश्वर पाल, एसआई रोहताश सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई धर्मपाल सिंह, एसआई मांगे राम,एसआई रामप्रकाश, एसआई दलबीर सिंह, एएसआई दीन मोहम्मद, एएसआई अजीत सिंह, एएसआई महेन्द्र सिंह, एएसआई मामचंद, हैडकां0 सत्यपाल, हैडकां0 शिवधन सिंह, हैडकां0 जगजीत सिंह, हैडकां0 रमजान, हैडकां0 साहिब लाल तथा कां0 राजेन्द्र सिंह (पीसीआर), एसआई मेघराज (दक्षिण–पूर्वी जिला), एसआई हुक्म सिंह, एसआई इन्द्रपाल व हैडकां0 अजब खान (नई दिल्ली जिला) इंस्पेक्टर प्रीत पाल सिंह व एएसआई अब्दुल हकीम (संचार शाखा), एसआई धाक सिंह, एसआई रवि करण, एसआई गोपी चंद, एएसआई जयकुमार व एएसआई इकबाल (यातायात) इंस्पेक्टर बाल किशन, इंस्पेक्टर धनपत राम व एसआई तेजपाल, एएसआई महाबीर सिंह (मध्य जिला) एसआई सुरेन्द्र पाल सिंह, एमटीएस गंभीर राम (मैट्रो) एमटीएस नंदन सिंह (उत्तरी जिला), एमटीएस गंभीर राणा (अपराध) तथा हैडकां0 सत्यप्रकाश (सातवीं वाहिनी)। **माह अगस्त में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी** : इंस्पेक्टर नरेश चोपड़ा (पुलिस मुख्यालय), एसआई रमेश चंद व एएसआई हरिकेश (एफआरआरओ), एसआई योगेन्द्र सिंह,हैडकां0 रवीन्द्र सिंह यादव, हैडकां0 ओमप्रकाश (पूवी जिला), एसआई ओमप्रकाश एसआई छोटे लाल मीणा, हैडकां0 बिजेन्द्र, कां0 अनिल कुमार व कां0 राजेश कुमार (पीटीसी) हैडकां0 सत्यप्रकाश (सातवीं वाहिनी), एसआई अमर सिंह (तृतीय वाहिनी), इंस्पेक्टर राजीव रतन, एसआई दलबीर सिंह, एसआई विक्रम सिंह, एसआई कालीचरण, एसआई राजेन्द्र पाल, एसआई रामस्वरूप शर्मा, एसआई सतीश कुमार, एसआई रामकिशन, एसआई मतवर सिंह, हैडकां0 सुरेन्द्र कुमार, हैडकां0 महावीर सिंह व हैडकां0 त्रिवेणी प्रसाद (सुरक्षा), एसआई विरेन्द्र सिंह, एसआई हरीश चन्द्र, एसआई ब्रहम प्रकाश, एएसआई चन्दर भान, कां0 सुरजीत सिंह व एमटीएम पताशो देवी (पश्चिमी जिला), एसआई चिंताराम व कां0 विरेन्द्र सिंह (मध्य जिला), एएसआई शंभू दयाल व हैडकां0 राजबीर सिंह (उत्तरी जिला) एसआई इन्दराज सिंह, एएसआई जगमोहन सिंह व हैडकां0 इकबाल अहमद (प्रथम वाहिनी), एसआई नंद लाल (मैट्रो), एसआई सत्यनारायण, एसआई कृष्ण चन्द्र, एसआई त्रिलोक चंद व एसआई महासिंह (संचार शाखा), एसआई हयात सिंह सरोहा, एसआई सत्यनारायण (पीएंडएल), एसआई रामकिशन, एएसआई बलदेव सिंह (विशेष शाखा), एसआई त्रिलोक सिह व, एसआई अब्राइम (यातायात), एसआई सरजू सिंह व एसआई बाबू राम (नई दिल्ली जिला), एसआई रमेश चंद, एसआई राजेन्द्र, एसआई नरेन्द्र, एसआई मंसूर अली, एसआई धर्मपाल, एसआई हवासिंह, एसआई ईश्वर सिंह, एसआई कौशल किशोर, हैडकां0 सोहन लाल, हैडकां बाबू राम व हैडकां0 रमेश चंद (पीसीआर) ।



सैंटर फॉर मीडिया स्टडीज़ सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार में काफी कमी आई है। लगभग 1501 लोगों से पूछताछ के आधार पर तैयार रिपोर्ट के रिजल्ट को देखते हुए पुलिस बल का उत्साह बढ़ा है। दिल्ली पुलिस भ्रष्टाचार उन्मूलन और महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी**



बलात्कार हमारे सभ्य समाज पर कलंक है। इंसानियत की संवेदनाओं को रौंदते हुए जो लोग ऐसे कुकृत्य करते हैं, वे इसी समाज का हिस्सा हैं। समाज के सभी वर्गो को ऐसी विकृत मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। सारा दोष पुलिस पर ही नहीं मढा जाना चाहिए। **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल)(कानून–व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा**

भलस्वा डेयरी थानाध्यक्ष ओमप्रकाश की डेंगू से मौत के कारण विभाग में शोक की लहर



10 अक्टूबर, 2015 की प्रातः भलस्वा डेयरी के थानाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश की शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल में डेंगू से मृत्यु हो गई। 1994 बैच के सबइंस्पेक्टर स्व0 ओमप्रकाश वर्ष 2010 में इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत हुए थे। दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में काम कर चुके ओमप्रकाश ने 8 अक्टूबर, 2015 की शाम को ही थाना भलस्वा डेयरी थानाध्यक्ष के तौर पर अपना कार्यभार संभाला था। उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला श्री विजय सिंह की जानकारी में आने के तत्काल बाद उन्हें शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डेंगू के उपचार के दौरान 10 अक्टूबर को उनकी मृत्यु हो गई। वर्ष 1971 में मूलरूप से गांव दौलतजाट, जिला नारनौल, महेन्द्रगढ़, हरियाणा में जन्में इंस्पेक्टर ओमप्रकाश के शोक संतप्त परिवार में पत्नी श्रीमती अनिता व पुत्र हिमांशू (20) व गुरमुख (16) के अलावा वृद्ध पिताजी हैं। उपायुक्त पुलिस (उत्तर–पश्चिमी जिला) श्री विजय सिंह तथा जिले के अन्य वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत ओमप्रकाश के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस आयुक्त, पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था) एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त उत्तरी परिक्षेत्र की तरफ से भी उनके श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। तत्पश्चात् उनके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक निवास ले जाया गया जहां पूरे पुलिस सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस आयुक्त ने शोक संतप्त परिवार को पुलिस परिवार की तरफ से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

श्रद्धांजलि

माह अगस्त व सितम्बर, 2015 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 32 पुलिसकर्मियों की विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। दिल्ली पुलिस परिवार अपने असमय बिछड़े साथियों को श्रद्धासुमन अर्पित करता है और उनके आश्रितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। **दिवंगत साथियों में शामिल हैं**: एसआई राकेश कुमार, एएसआई योगेन्द्र दत्त, हैडकां0 रमेश चन्द्र तथा कां0 सुरेश यादव (दक्षिणी जिला), महिला हैडकां0 ममता रानी व कां0 बीबू राज अब्राहम (रेलवे एवं मैट्रो), कां0 मदन कुमार राठौर, महिला कां0 नीलम कुमारी (उत्तर–पश्चिमी जिला), एएसआई चन्दर प्रकाश (सुरक्षा), एएसआई यशपाल शर्मा, हैडकां0 राजकंवर, कां0 अनिल कुमार तथा कां0 राजेश कुमार (बाहरी जिला), हैडकां0 हरगू प्रसारद, कां0 सोनू सिंह व कां0 मोहम्मद फारूक (यातायात) हैडकां0 सत्यवीर सिंह, कां0 टेकचंद (पीसीआर), कां0 रणधीर सिंह (पूर्वी जिला), एएसआई जगबीर सिंह व कां0 नरेश कुमार (पीएंडएल), एएसआई राजकुमार व कां0 मदन लाल (प्रथम वाहिनी) तथा कां0 बंसत कुमार (तृतीय वाहिनी), कां0 सुनील कुमार व एमटीएस (उत्तर–पूर्वी जिला), हैडकां0 विजय सिंह (एसपीयूडब्लूएसी), एमटीएस हरक सिंह व एमटीएम काली चरण (पीटीसी)।

डेंगू पीड़ितों की मदद के लिए पुलिस मुख्यालय प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन





7 अक्टूबर, 2015 को पुलिस मुख्यालय प्रांगण में डेंगू पीड़ितों की मदद के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने शिविर का उद्घाटन करते हुए अधिकारियों एवं जवानों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। पिछले दिनों दिल्ली में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए दिल्ली में रक्त की कमी को महसूस करते हुए इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। हालांकि इससे पूर्व भी दिल्ली पुलिस की कई जिला/यूनिटों में रक्तदान शिविर आयोजित किये जा चुके हैं। रक्तदान शिविर में दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों के 208 अधिकारियों एवं जवानों ने स्वैच्छिक रक्तदान करके अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम, उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला) श्री परमादित्य व जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत** के अलावा भारी संख्या में मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने 300 ऐसे जवानों की सूची तैयार की है जो स्वैच्छिक रक्तदान के लिए तत्पर रहेंगे और उनके सम्पर्क टेलीफोन नम्बर भी सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किये गये हैं।





उत्तर-पश्चिमी जिला के उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह के नेतृत्व में आदर्श नगर थाने में डेंगू पीड़ितों की मदद के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर-पश्चिमी जिला के बहुत से पुलिसकर्मियों ने रक्तदान किया। ब्लड बैंक शाली मार बाग के सहयोग से आदर्श नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार ने इस रक्तदान शिविर को आयोजित करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान "विशेष शाखा को कैसे सशक्त बनाया जाय" और पुलिस अधिकारियों हेतु कल्याणकारी सुझाव विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।



14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2015 के बीच सभी सरकारी कार्यालयों में मनाये गये हिन्दी पखवाड़े के दौरान विशेष शाखा ने अपने कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए विशेष शाखा को कैसे सशक्त बनाया जाय" और "पुलिस अधिकारियों हेतु कल्याणकारी सुझाव "विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 20 अंकों वाली इस निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर क्रमशः 5000, 3000 व 2000 के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देने का प्रावधान किया गया था। उच्चतर अधीनस्थ अधिकारियों में लिखित प्रतियोगिता में एसआई अशोक कुमार (प्रथम) एएसआई कैलाश सिंह (द्वितीय) व एएसआई आशू कौशिक व एएसआई चतर सिंह (संयुक्त रूप से तृतीय) स्थान ग्रहण करने पर तथा निबंध प्रतियोगिता में अधीनस्थ कर्मियों में कां0 महेन्द्र सिंह (प्रथम) हैडकां0 राजेश्वर सिंह (द्वितीय) तथा हैडकां0 अमित कुमार व हैडकां0 सुनील कुमार (संयुक्त रुप से तृतीय स्थान) ग्रहण करने पर उनको पुरस्कृत किया गया। 16 सितम्बर, 2015 को आयोजित पुरस्कार समारोह में **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री धर्मेन्द्र कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री बालाजी श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर, अति0आयुक्त पुलिस श्री राम कुमार वर्मा, श्री के.के.व्यास एवं अति0उपा0पुलिस श्री कपूर सिंह** ने पुरस्कार विजेताओं को प्रशंसा पत्र वितरित किये।

पुलिस एक्सपो में दिल्ली पुलिस को स्वर्ण पदक



8 से 10 अक्टूबर, 2015 को प्रगति मैदान में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो में दिल्ली पुलिस को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। पुलिस एक्सपो में दिल्ली पुलिस ने स्मार्ट पुलिसिंग के नाम से अपना स्टॉल लगाया था। इंटरनेशनल ट्रैड प्रोमोशनल संस्था द्वारा आयोजित पुलिस एक्सपो में कई पुलिस संगठनों एवं अर्ध-सैनिक पुलिस बलों ने हिस्सा लिया था। दिल्ली पुलिस ने अपने स्टॉल में पिछले दिनों महिलाओं की सुरक्षा में शुरू किये हिम्मत ऐप, लॉस्ट रिपोर्ट, एंटी ऑटो थेफ्ट ऐप, पीसीसी व ट्रैफिक पुलिस की मोबाइल एप्लिकेशन व अपग्रेडिड वेबसाइट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस द्वारा प्रयोग में लाये जा रहे अत्याधुनिक हथियार एवं अन्य नई तकनीक के बारे में जानकारी साझा की। उपायुक्त पुलिस ऑपरेशन एवं संचार श्री ओ.पी. मिश्रा ने दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में प्रयोग में लाई जा रही आधुनिक तकनीक व हथियारों के बारे में जानकारी दी। जिसमें दिल्ली पुलिस को प्रथम, आर्डिनेंस डिपो को द्वितीय और सीआईएसएफ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मैसर्स इंटर पब्लिसिटी प्रा0लि0 द्वारा दिल्ली पुलिस के स्टॉल को डिजाइन करते हुए उसे आकर्षक और व्यवस्थित रूप प्रदान किया।

महिला हितों पर काम करने वाले संगठनों /स्वयंसेवी संस्थाओं तथा पुलिस के बीच परस्पर संवाद स्थापित



10 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली पुलिस की विशेष पुलिस इकाई (महिला एवं बाल) ने अवाने–ए–गालिब ऑडिटोरियम में महिलाओं की सुरक्षा पर काम करने वाले संगठनों/स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच परस्पर संवाद स्थापित कराने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त, श्री अमूल्य पटनायक, श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबू** के अलावा भारी संख्या में महिला संगठनों/स्वयसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त महोदय ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को महिलाओं की सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता और गंभीरता बरतने के लिए आग्रह किया और महिला संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के प्रत्युत्तर दिये। उन्होंने महिला संगठनों/स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा की गई शिकायतों और सुझावों पर कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए कहा कि शीघ्र ही दिल्ली के हर थाने में सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। पुलिस आयुक्त ने विभिन्न जिलों द्वारा शुरू किये निर्भीक कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि थानों में महिलाओं के साथ चाहे वह शिकायतकर्ता के रूप में या पीड़िता के या फिर किसी की मददगार के रूप में थाने में आई हो, उसकी गरिमा और सम्मान का पूरा–पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।





नए केंद्रीय गृह सचिव श्री राजीव महर्षि का पुलिस मुख्यालय दौरा



9 सितम्बर, 2015 को नवनियुक्त केन्द्रीय गृह सचिव श्री राजीव महर्षि ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। 1978 बैच के आईएएस अधिकारी श्री राजीव महर्षि ने इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मेलन कक्ष में पुलिस कार्यप्रणाली और कानून–व्यवस्था से संबंधित विचार–विमर्श किया। तत्पश्चात उन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष व सी–4 आई का दौरा किया। केन्द्रीय गृह सचिव श्री राजीव महर्षि इससे पूर्व वित सचिव के पद पर सुशोभित थे और उन्होंने निवर्तमान केन्द्रीय गृह सचिव श्री सी. एल. गोयल से पदभार ग्रहण किया है। 1979 बैच केरल कैडर के श्री सी.एल. गोयल ने 5 फरवरी, 2015 को केंद्रीय गृह सचिव का पदभार गृहण किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से विचार–विमर्श के बाद गृह सचिव महोदय ने 5 सितम्बर, 2015 को डाबड़ी इलाके में प्रसव पीड़ा से कराह रही एक महिला की समय पर मदद करने वाले पुलिसकर्मियों एसआई राजबीर, महिला कां0 भगवती व कां0 धर्मबीर को प्रशंसा पत्र व तीनों को 5–5 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रसव पीड़ा से गुजर रही महिला ने एक बच्चे को पीसीआर वैन में ही जन्म दिया जबकि पीसीआर कर्मियों द्वारा उसे सुरक्षित अस्पताल पहुंचाये जाने के बाद स्वस्थ्य महिला ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया। इस पूरी प्रकिया में महिला कांस्टेबल भगवती ने अहम् भूमिका निभाई। पुलिस मुख्यालय से प्रस्थान करते समय गृह सचिव ने प्रथम तल पर स्थित जलपान गृह का भी दौरा किया।









8 सितम्बर, 2015 को दिल्ली हैडक्वार्टर एरिया के लेफ्टिनेंट जनरल कुलवीर सिंह ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर दोनों अधिकारियों ने परस्पर स्मृति चिन्ह् भेंट किये।

स्थानांतरण

6 अक्टूबर, 2015 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी स्थानांतरण आदेशानुसार अधोलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। **श्री अजय कुमार सिंह** (1984) संयुक्त पुलिस आयुक्त (वेलफेयर) से पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (सामान्य प्रशासन)। **श्री राम कुमार वर्मा** उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा) पदोन्नति के बाद अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (विशेष शाखा)। **श्री बिनय कांत मिश्रा** अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (पीटीसी)। **श्री राजीव रंजन** उपायुक्त पुलिस (विशेष प्रकोष्ठ) से उपायुक्त पुलिस (पीटीसी)। **श्री धीरज कुमार** अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (चतुर्थ वाहिनी)। **श्री रोमिल बानिया** मिजोरम से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (यातायात)। **सुश्री उषा रंगनानी** अस्थाई प्रभार अति0 उपायुक्त पुलिस (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) से उपायुक्त पुलिस (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)। **श्री संजीव यादव** अति0उपा0पुलिस नई दिल्ली जिला से अति0उपा0पुलिस (विशेष प्रकोष्ठ)

8 अक्टूबर, 2015 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश : श्री एस.एन. श्रीवास्तव (1985) विशेष पुलिस आयुक्त, विशेष प्रकोष्ठ से विशेष पुलिस आयुक्त भर्ती एवं शस्त्र पुलिस। **श्री अरविंद दीप** (1988) विशेष पुलिस आयुक्त भर्ती एवं शस्त्र पुलिस से पुलिस आयुक्त, विशेष प्रकोष्ठ। **श्री शिबेश सिंह** (2006) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर अति.उपा. पुलिस उत्तर पश्चिमी जिला। **श्रीमती असलम खान** (2007) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर अति.उपा. पुलिस उत्तरी जिला। **श्री पंकज सिंह** (2008) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर अति. उपा.पुलिस बाहरी जिला। **श्री बिजेन्द्र कुमार** (2010) अति.उपा. पुलिस उत्तरी जिला (1) से अति.उपा. पुलिस (2) बाहरी जिला। **सुश्री अमृथा गुगलोथ** अति.उपा. पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला से अति.उपा. पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला। **श्री घनश्याम बंसल** अति.उपा. पुलिस (1) बाहरी जिला से अति.उपा.पुलिस (2) उत्तरी जिला। **श्री राज कुमार झा**, उपायुक्त पुलिस (यातायात–मुख्यालय) से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस सतर्कता। **श्री कुमार ज्ञानेश** अति.उपा.पुलिस सुरक्षा से अति.उपा. पुलिस नई दिल्ली जिला। **श्री आर.पी.मीना**, अति.उपा.पुलिस (2) उत्तर–पश्चिमी जिला से उपायुक्त पुलिस 5वीं वाहिनी एवं अति. प्रभार उपायुक्त पुलिस 6वीं वाहिनी।

शौक की कोई कीमत नहीं



ट्रैफिक पुलिस में तैनात **एसआई सुरेन्द्र कुमार** ने सदियों पुराने विभिन्न धातुओं के सिक्कों और मुद्राओं का संग्रह करके इस बात को सिद्ध किया है कि शौक की कोई कीमत नहीं होती। पिछले दिनों ट्रैफिक पुलिस द्वारा आयोजित एक पैवेलियन में एसआई सुरेन्द्र कुमार ने संग्रह किये गये सिक्कों और नोटों का प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शनी के दौरान स्वयं **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** भी सदियों पुराने सिक्के व नोंट देकर अचंभित रह गये कि उनके विभाग में ऐसी प्रतिभा के धनी कर्मी भी कार्यरत हैं। सिक्कों पर लगी मोहर और नोटों पर हुए हस्ताक्षर से ज्ञात होता है कि कौन सा सिक्का या नोट किस सदी का है और वर्तमान में उसकी क्या कीमत हैं। अकबर, जहांगीर, बहादुर शाह ज़फर, पृथ्वीराज चौहान के शासनकाल से भी पुरानी मुद्रा रखने वाले एसआई सुरेन्द्र कुमार का कहना है कि उनकी प्रारंभ से पुराने सिक्के व नोट रखने में रूचि रही है वर्तमान में उपलब्ध सिक्कों व नोटों की कीमत लाखों रूपये में हैं। एसआई सुरेन्द्र कुमार दिल्ली या आसपास के क्षेत्र में होने वाली 'मुद्रा प्रदर्शनी' में जाने के अलावा विभिन्न मौकों पर सरकार द्वारा जारी अल्पमात्रा के सिक्कों या नोटों को प्राप्त करने का भी हरसंभव प्रयास करते हैं।

16 सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कांस्टेबल सम्मानित

3 सितम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार 16 पुलिसकर्मियों को सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कां0 घोषित करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। **वरिष्ठ विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा** की अध्यक्षता में गठित ''चयन समिति'' द्वारा अधोलिखित पुलिसकर्मी सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कां0 चुने गये है। कां0 बाबर रजा (थाना हर्ष विहार 10 हजार रुपये), कां0 राजेश्वर राव (थाना गाजीपुर 8 हजार रुपये), कां0 संदीप (थाना हौज खास 7 हजार रुपये), कां0 नंद किशोर (थाना ओखला इंडस्ट्रियल एरिया 8 हजार रुपये), हैडकां0 परमेन्दर कुमार (थाना रनहोला 8 हजार रुपये), कां0 संजीव कुमार (8 हजार रुपये), कां0 विकास (थाना आदर्श नगर 8 हजार रुपये), कां0 सुखेन्द्र (थाना सुलतानपुरी 8 हजार रुपये), कां0 कृष्णपाल (थाना प्रसाद नगर 9 हजार रुपये), कां0 अमित कुमार (थाना सब्जी मंडी 9 हजार रुपये), कां0 राजेश (थाना पार्लियामेंट स्ट्रीट 8 हजार रुपये), हैडकां0 रोहताश तथा कां0 गिरीश (पंजाबी बाग सर्कल दोनों को 9–9 हजार रुपये), हैडकां0 हरी सिंह कां0 हरेन्द्र व कां0 अमर सिंह (पीसीआर उत्तरी जोन तीनों को 8–8 हजार रुपये) तथा हैडकां0 ओमबीर सिंह (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन 9 हजार रुपये)।

असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित 6 पुलिसकर्मियों को नकद पुरस्कार की घोषणा

पुलिस मुख्यालय द्वारा 7 सितम्बर, 2015 को जारी एक आदेशानुसार 24 मार्च, 2015 को असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित एएसआई संदीप वैध, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई अरविंद कुमार ,एएसआई हरीश चन्द्र, हैडकां0 अनिल तथा हैडकां0 मोहम्मद शोएब को 10–10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

DELHI POLICE
SHANTI SEWA NYAYA

अब ना चाहिये कोई सिफारिश

भ्रष्टाचार जड़ से ख़त्म

चाहिये बस कम्प्यूटर पर चंद क्लिक

दिल्ली पुलिस भ्रष्टाचार के अवसरों को जड़ से ख़त्म कर रही है।

समस्या	नई पहल
• किसी दस्तावेज़/वस्तु की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थानों के चक्कर • रिश्वत/सिफारिश की शिकायत	• गुमशुदा वस्तु/दस्तावेज़ की रिपोर्ट सैलफोन व ऑनलाइन से • थानों के चक्कर से मुक्ति 
• वाहन चोरी की FIR, जांच की प्रगति की जानकारी व इंश्योंरस दावे के लिए अनट्रेस रिपोर्ट लेने की समस्या • रिश्वत/सिफारिश की शिकायत	• वाहन चोरी की FIR ऑनलाइन दर्ज • जांच की प्रगति स्वयं लें • अनट्रेस रिपोर्ट ई-कोर्ट से मंजूर होने पर ई-मेल से • थानों व कचहरी के चक्करों से मुक्ति 
• वीज़ा प्राप्ति, नौकरी प्राप्ति के लिये पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) लेने की समस्या • थानों के कई चक्कर लगाना • रिश्वत/सिफारिश की शिकायत	• पीसीसी के लिए वेब एप्लीकेशन • घर बैठे पीसीसी प्राप्त • कहाँ या किसके पास जाऊँ का चक्कर ख़त्म 

पुलिसकर्मी के भ्रष्टाचार का actionable ऑडियो/विडियो evidence मोबाइल नं. 9910641064 पर भेजें और ₹25000/- का इनाम पायें

भ्रष्टाचार की शिकायत के लिये हेल्पलाइन का नं. 1064

10 वर्ष की सेवा व स्नातक तक शिक्षा प्राप्त सिपाही भी होंगे भविष्य में छोटे अपराधों के जांच अधिकारी।

दिल्ली सरकार के गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार भविष्य में 10 वर्ष की सेवा व स्नातक तक शिक्षा प्राप्त सिपाही लघु अपराधों की जांच कर सकेंगे। दंड प्रकिया संहिता–1973 के तहत प्राप्त अधिकारानुसार थाने के थानाध्यक्ष 10 वर्ष की सेवा व स्नातक तक शिक्षा प्राप्त सिपाहियों को छोटे मामलों की जांच करने के लिए अधिकृत कर सकते है। कुछ समय पूर्व पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने गृह मंत्रालय को पत्र लिख कर सिपाहियों को जांच अधिकारी बनाने हेतु पत्र–व्यवहार किया था। गृहमंत्रालय द्वारा पुलिस आयुक्त का अनुरोध स्वीकृत किये जाने पर माननीय उपराज्यपाल श्री नजीब जंग के निर्देश पर 21 अक्टूबर, 2015 को दिल्ली सरकार के अतिरिक्त सचिव श्री ओ.पी.मिश्रा ने इस संबंध में अधिसूचना सं0 13/17/ 2015/ एचपी–1 /ईस्ट/ 8847 –90 दिनांक 21/10/2015 जारी की। जारी अधिसूचना के अनुसार अब स्नातक सिपाहियों को जिन मामलों में जांच अधिकारी बनाने की अनुमति दी गई हैं, वे हैं चोरी, जेबतराशी, शस्त्र अधिनियम, जुआ अधिनियम, आबकारी अधिनियम,वाहन चोरी व सार्वजनिक सुंदरता खराब करने आदि। जांच अधिकारी ऐसे मामले जिनमें अधिक से अधिक 7 वर्ष का दंड निर्धारित किया गया हो, उनकी जांच विभिन्न कानूनों, नियमों, स्थाई आदेशों और परिपत्रों के तहत प्रावधानों के अनुसार कर सकेगें। जारी अधिसूचना के अनुसार जांच अधिकारी सिपाही रोजनामचे में खुद या किसी के बारे में रवानगी व वापसी लिखने, किसी आपराधिक मामले की पूछताछ के लिए आरोपी को थाने में बुलाने के लिए धारा 160 के तहत नोटिस जारी करने, केस डायरी लिखने, ड्राफ्टिंग करने, अंतिम रिपोर्ट तैयार करने, किसी अपराधी को गिरफ्तार करने का प्रयास करने, सीज़र मेमो तैयार करने, मामले की प्रगति रिपोर्ट तैयार करने और मामलों की अदालत में पैरवी करने के लिए अधिकृत किया गया है। जांच अधिकारी को ये सभी दायित्व प्राप्ति से पूर्व जांच प्रक्रिया संबंधी एक विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त करना होगा। कृपया विस्तृत जानकारी के लिए अधिसूचना भी देखें।

शुभ दीपावली

दिल्ली पुलिस के समस्त अधिकारियों/कर्मियों एवं उनके परिजनों को दिवाली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। हर्षोल्लास और प्रकाश का यह पर्व आप सबके जीवन में नई उमंग और खुशियाँ लाए, यही हमारी कामना है।


सम्पादक

सम्पादक : जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस श्री राजन भगत
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।


सह-सम्पादक